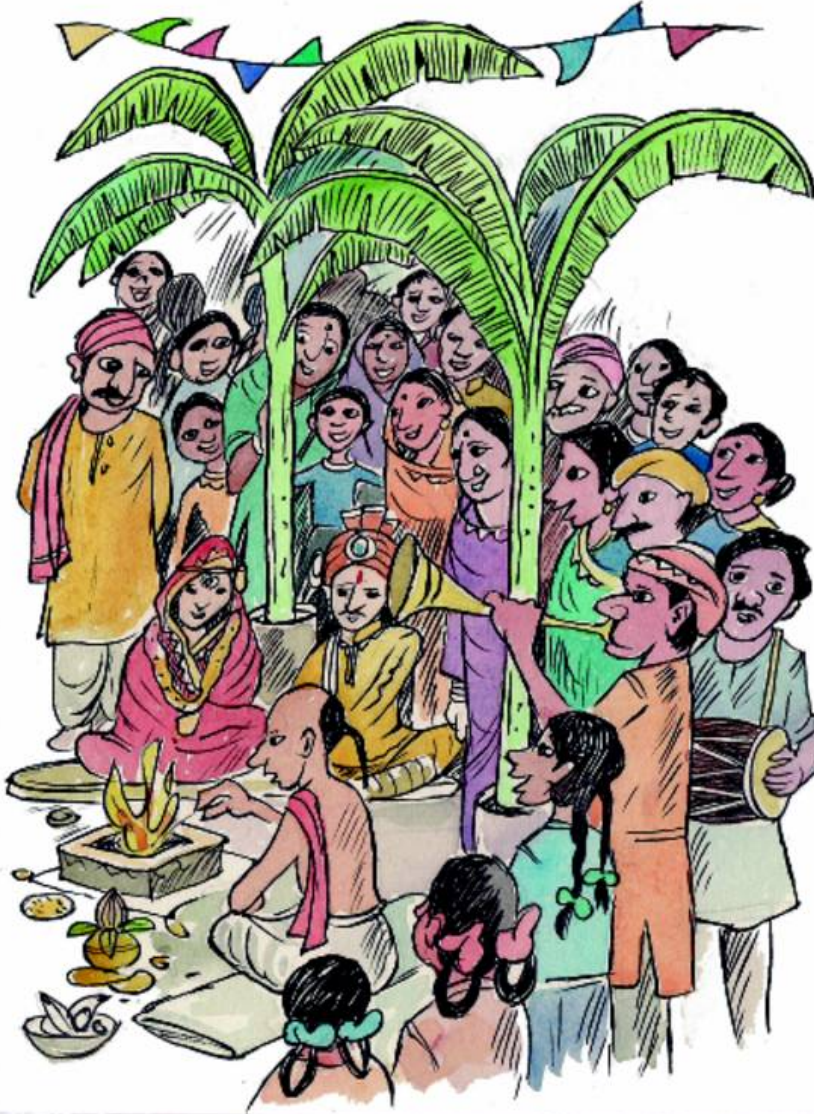


चाचा की शादी



pkpk dk tc C;kg jpk;k]
egekuk dk U;krk fhktok;k]
?kj vk; lc fj'rnkj]
Hkjk&ijk viuk ifjokj]

fnYyh l ekek&ekeh vk,]
lx e ukuk&ukuh vk,]
l kMh] fcUnh] pMh&yGBh]
db l kxkr HkV e yk,A

QQk&QQh] ek l k&ek l h]
cgr nj l vk, g]
l kFk e viu l;kj&l;kj]
cPpk dk Hkh yk, gA

nknk&nknh d D;k g dgu]
mud ge lc l;kj viu]
ek&firkt h [k'k g fdru]
fj'rnkj tc vk; bruA

vc crkb, %

1- b l dfork e dku&dku l fj 'rk dk uke vk;k g\

.....
.....

2- D;k vki fd l h 'kknh e 'kkfey gku ?kj l ckgj x, g\ fd l dh 'kknh e vkj dgk\

.....

3- ogk vkid dku&dku l vkj fj 'rnkj vk, Fk\ l ph cukb,A

.....
.....

4- dku&dku l , l ekd g] t c vkid ?kj ckgj l fj 'rnkj vkr g\

.....
.....

5- feykb, %

नाना	फुआ के पति
मामा	मौसी के पति
चाची	माँ के पिता
ताऊ	चाचा की पत्नी
मौसा	माँ का भाई
फूफा	पिता के बड़े भाई

6- dfork d: vu|kj fj'r k dk Hkfj, %&

nkkn	nknh

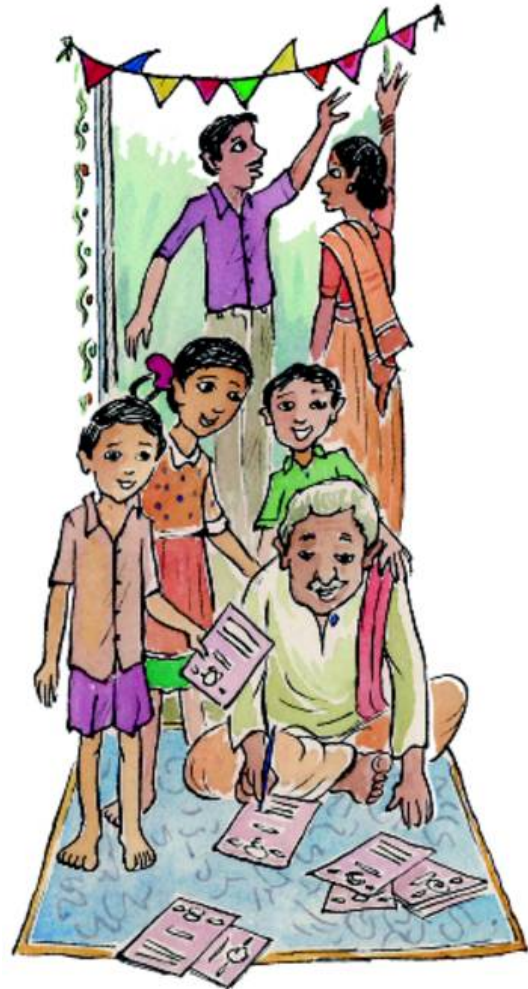
आस्था और आकाश भाई-बहन हैं। दोनों बहुत खुश हैं। आज उनकी फुआ अपने बच्चों के साथ घर आई हैं। आस्था और आकाश ने फुआ के पाँव छुए। फुआ ने प्यार से आकाश को गोद में उठा लिया।

आस्था के चाचाजी की शादी पाँच दिनों के बाद है। घर में जोर-शोर से शादी की तैयारी चल रही है।

दादाजी पड़ोसियों को निमंत्रण देने के लिए कार्ड पर नाम लिख रहे हैं। आकाश और आस्था एक-एक कार्ड उनके हाथ में दे रहे हैं।

दादाजी ने पूछा- 'आस्था और आकाश, तुम लोग भी किसी को निमंत्रण दोगे?'

दोनों ने अपने मित्रों का नाम एक कागज पर लिखकर दादाजी को दे दिया। दादाजी ने मुस्कुराते हुए उनके नाम कार्ड पर लिख दिए।



**vxj vki d: ?kj e: 'kknh gkxh rk vki fdu&fdu fe=k dk cykuk pkgxl
mud: uke fyf[k, A**

.....
.....

देखते-देखते शादी का दिन आ गया। आज बारात जाएगी। घर में काफी भीड़ है। सब लोग इधर-उधर, भाग-भागकर अपना-अपना काम निबटा रहे हैं।

बारात निकली। धूमधाम से शादी हुई। आस्था और आकाश की चाची घर आई। घर में सभी बहुत प्रसन्न हैं।

दादीजी ने खुश होकर कहा— “कितना अच्छा और बड़ा है— हमारा परिवार।”

आस्था बोली— “दादीजी यह परिवार क्या होता है?”

दादीजी हँसते हुए बोली— “जब घर में माता-पिता, उनके भाई-बहन, दादा-दादी एवं बच्चे एक साथ रहते हैं तो उसे परिवार कहते हैं। अपने परिवार में — “मैं, तुम्हारे दादाजी, माँ-पिताजी, चाचा-चाची एवं तुम सभी भाई-बहन हैं। हम सब के साथ-साथ रहने के कारण सभी लोग एक-दूसरे के सुख-दुःख में काम आते हैं।”

crkb, %

1- **vkid ifjokj e dku&dku g\ mud uke rFkk mu l vkidk D;k fj'rk g\ fyf[k,A**

Ø-I-	uke	fj'rk
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		

2- **vkid ek ,o fir k th dh rjQ d fj'rk d uke fyf[k, &**

माँ से संबंधित

पिता से संबंधित

Ø-I-	ukuk	nknk

3- vkid ekek dk cVh vkidh ek dk D;k yxxk\

.....

4- vkidh Qvk dh cVh vkid fir kth d D;k yxxh\

.....

5- vkLFkk dh pkph 'kknh d ckn vkj fdu&fdu u, fj'rk d uke l t kuh tk,xh\

.....

.....

6- uhp dh igyh l fj'rk d uke <<dj [kkyh LFkkuk e fyf[k,A yxrkj Øe e vk jg v{kj dk nckj i;kx dj l dr gA

५	२	५॥	१	५॥
६	१	५॥	५॥	८॥
१	२	१॥	५॥	५
१॥	५॥	५॥	१॥	६
८॥	८	५॥	८॥	१॥
१	१	२	५॥	५॥

.....

.....

.....

.....

.....

.....

CCC